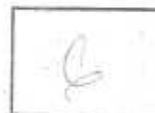


3



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 3 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न-1

उत्तर:- भारत में यूरोपीय जातियों के आगमन के कारण -

1. भारत की आर्थिक एवं संसाधन संपन्नता से यहाँ यूरोपीय व्यापारिक संबंध समृद्ध हो सके थे।

2. राजनीतिक महत्वाकांक्षायें, नये महाद्वीपों की खोज, ईसाई धर्म का प्रचार करने के उद्देश्य से भारत में यूरोपीय जातियों का आगमन हुआ।

प्रश्न-2

उत्तर:- बक्सर का युद्ध सन् 1764 ई. में बंगाल के नबाब मीर कासिम, अबध के नबाब शुजाउद्दौला के संयुक्त मोर्चे में अंग्रेजों के खिलाफ लड़ा गया।

प्रश्न-3

उत्तर:- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दो प्रारंभिक उद्देश्य -

1. प्रशासनिक एवं संवैधानिक सुधार की माँग करना।

2. भारतीयों की आर्थिक स्थिति में सुधार की माँग करना।

B
S
E
M
P

के अंक का योग

4

6

+

6

=

12

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 4 के अंक

कुल अंक



प्रश्न-4

उत्तर:- साम्राज्यवाद का अर्थ किसी राष्ट्र द्वारा अन्य राष्ट्र पर आक्रमण कर अपनी सीमाओं का विस्तार करने से है। जैसे जर्मनी ने चैकोस्लाविया, मुसोलिनी ने भूमध्यसागर में साम्राज्यवाद फैलाया।

प्रश्न-5

उत्तर:- द्वितीय विश्व युद्ध का तात्कालिक कारण जर्मनी के अधिनायक हिटलर द्वारा पोलैण्ड पर आक्रमण करना था। जो द्वितीय विश्वयुद्ध का का तात्कालिक कारण बना।

प्रश्न-6

उत्तर:- नाटो (N.A.T.O), उत्तरी एटलांटिक के देशों का (यूरोपीय व अमेरिकी) समूह है। 1949 में अमेरिका, फ्रांस, पुर्तगाल, पोलैण्ड आदि देशों ने इसकी स्थापना की। इसका उद्देश्य बाल्य आक्रमणों से सदस्य राष्ट्रों की सुरक्षा तथा आर्थिक-सामाजिक सहयोग है।

6

पृष्ठ के अंकों का योग

B
S
E
M
P

5



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 5 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न-7

उत्तर:- पंचशील के सिद्धांतों का प्रतिपादन 1954 में पं. जवाहर लाल नेहरू व चीन के राष्ट्रपति द्वारा किया गया था।

प्रश्न-8

उत्तर:- प्रथम अंतरिक्ष यत्री 'यूरी गागरिन' था, वह 12 अप्रैल 1961 में अंतरिक्ष पहुँचा।

प्रश्न-9

उत्तर:- जनसंचार के साधन --

1. डाक
2. टेलीफोन, मोबाइल
3. इंटरनेट
4. रेडियो, टेलीविजन
5. पत्र-पत्रिकाएँ, फैक्स, तार

प्रश्न-10

उत्तर:- वंदे मातरम गीत के रचियता 'बंकिम चंद्र चटर्जी' थे।

पृष्ठ के अंकों का योग



प्रश्न-11

उत्तर:- आंग्ल-फ्रांसीसी संघर्ष के कारण-

1. व्यापारिक प्रतिस्पर्धा:-

अंग्रेज तथा फ्रांसीसी दोनों ही अपने व्यापार तथा बाजार को बढ़ाना चाहते थे, दोनों की प्रतिस्पर्धा संघर्ष का कारण बनी।

2. राजनीतिक महत्वाकांक्षायें:-

दोनों ही साम्राज्यवादी थे, तथा भारत में साम्राज्य विस्तार एवं सजीव राजनीतिक पकड़ करार करना चाहते थे।

3. यूरोपीय संघर्ष का प्रभाव उभाव:-

यूरोप में भी इन दोनों की महत्वाकांक्षायों के कारण संघर्ष चल रहा था, जिसके कारण भारत में भी संघर्ष होने लगे।

B
S
E
M
P



⑦

23

+

3

=

25

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 7 के अंक

कुल अंक



प्रश्न-12

उत्तर:-★ आंदोलन से आशय:-

होमरूल आंदोलन का अर्थ स्वशासन अथवा स्वराज्य से संबंधित है। इसकी प्रेरणा आयरलैंड के होमरूल से ली गई थी।

★ आंदोलन के कारण:-

प्रथम विश्व युद्ध में भारतीयों ने अँग्रेजों को भरपूर सहायता दी, परन्तु इसके बदले उन्होंने भारत को स्वराज्य तो ठीक, विशेष सुविधा भी नहीं दी, फलस्वरूप होमरूल आंदोलन प्रारंभ करना पड़ा।

★ आंदोलन के स्थापक एवं प्रचार:-

होमरूल आंदोलन का प्रारंभ आयरलैंड की महिला श्रीमति एनी बेसेन्ट तथा बाल गंगाधर तिलक द्वारा किया गया। इसका प्रचार महाराष्ट्र, मद्रास, बंगाल में सर्वाधिक हुआ।

★ उद्देश्य:-

1. स्वराज्य की माँग।

2. भारतीयों को भागीदार स्वं जागृत करना।

B
S
E
M
P

3

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न-13

उत्तर:- कांग्रेस ने क्रिप्स मिशन की अनुसंशाओं को अस्वीकृत कर उसका विरोध किया, इसके निम्न कारण थे-

1. क्रिप्स मिशन में परोक्ष रूप से भारत-विभाजन की माँग स्वीकार ली गई थी। उसमें कहा गया था कि 2 राज्य अपने समूहों का गठन स्वयं करेंगे, इससे विभाजन का स्वतरा था।

2. युद्ध के समय में अँग्रेजी सरकार के पास सारी शक्तियाँ रहेगी, जो अनुपयुक्त थी।

3. संविधान निर्माण संबंध में नरेशों, शासकों का लचस्व उल्लेखित था जिसका कांग्रेस समर्थन न कर सकती थी।

कु० प० ३०



पृष्ठ 8 के अंकों का योग

B
S
E
M
P

9

29

+

3

=

32

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 9 के अंक

कुल अंक



प्रश्न-14

उत्तर:- शिमला सम्मेलन का उद्देश्य:-

शिमला सम्मेलन का उद्देश्य भारत विभाजन के संबंध में वातावरण तथा मुसलमानों के स्थान हेतु था। गाँधी और जिल्ला के बीच रामगोपालाचारी फार्मले के अनुसार भारत विभाजन की, मुसलमानों के स्थान की तथा स्वतंत्रता के संदर्भ में जिल्ला से बातचीत की गई, इसकी असफलता के कारण निम्न लिखित हैं।

* सम्मेलन की असफलता के कारण-

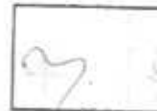
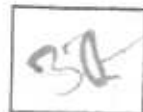
1. जिल्ला की दृढ़ धर्मिता।

2. कांग्रेस द्वारा भारत-विभाजन को अंतिम हद तक राजी न होना।

3. जिल्ला की महत्वाकांक्षियों के अनुसार जनमत का विरोध।

3

य के अंकों का योग



प्रश्न-15

उत्तर:- जर्मनी की महत्वाकांक्षा प्रथम विश्व युद्ध भड़काने में उत्तरदायी थी, इसके फलस्वरूप द्वितीय प्रथम विश्व युद्ध का पृष्ठभूमि हुआ-

* जर्मनी की सैन्य शक्ति विस्तार नीति:-

जर्मनी ने अपनी सैन्य शक्ति (वायु, नौ-सेना) में अभूतपूर्व विकास किया। उसने सैन्य खर्चों पर काफी व्यय किया, जिससे विश्व युद्ध की आशंका बढ़ने लगी।

* साम्राज्यवाद:-

जर्मनी ने अपनी साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति हेतु यूरोप व अफ्रीका में खूब साम्राज्य विस्तार किया, जो भड़काने वाला था।

* जर्मनी की उग्रराष्ट्रवादी भावनाएँ:-

जर्मनी प्रारंभ से ही उग्रराष्ट्रवादी देश रहा है। उसकी राष्ट्रवादी महत्वाकांक्षाएँ युद्ध को प्रोत्साहन देती थीं।



11



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 11 के अंक

कुल अंक



प्रश्न-16

उत्तर:- सुरक्षा परिषद का गठन:-

सुरक्षा परिषद में कुल 15 सदस्य होते हैं। ये इनमें पाँच स्थाई तथा दस अस्थायी सदस्य होते हैं। सुरक्षा परिषद सं. रा. सं. का सबसे शक्तिशाली अंग है।

1. स्थाई सदस्य:-

सुरक्षा परिषद में 5 स्थाई सदस्य होते हैं। रूस, चीन, अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस इसके स्थाई सदस्य हैं। इनके पास विषेधाधिकार होता है।

2. अस्थायी सदस्य:-

इसमें दस अस्थायी सदस्य होते हैं, जिनका निर्वाचन क्षेत्रीय आधार पर होता है।

सुरक्षा परिषद के कार्य:-1. विश्व शांति की स्थापना। युद्धों से बचाव करना।2. निःशस्त्रीकरण की स्थापना करना।



प्रश्न-17

उत्तर:- द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात अमेरिका के विश्वशक्ति के रूप में उदय के कारण-

1. अमेरिका का शस्त्र संसाधन:-

अमेरिका ने द्वितीय विश्व तक तथा उसके उपरान्त अस्त्र-शस्त्रों की काफी वृद्धि कर ली थी, जिस कारण वह विश्व शक्ति के रूप में उभरा।

2. परमाणु शक्ति:-

जापान पर परमाणु बम जो अमेरिका द्वारा गिराये गये थे वे इतिहास में आज भी दर्दीकृत हैं। इससे सम्पूर्ण विश्व में अमेरिका का शक्ति स्थापित हो गया।

3. आर्थिक संपन्नता:-

अमेरिका आर्थिक, औद्योगिक रूप से अति संपन्न राष्ट्र बन गया, जिससे वह विश्व शक्ति के रूप में आया।

B
S
E
M
P





प्रश्न-18

उत्तर:- समकालीन विश्व में गुटनिरपेक्ष आंदोलन का महत्व-

* गुटों के आपसी वैमनजस्य से मुक्ति:-

गुटों में परस्पर वैमनजस्य व शीत युद्ध की स्थिति बनी रहती है, फलस्वरूप युद्ध एवं तनाव से रक्षा हेतु गुट-निरपेक्षता सबसे श्रेष्ठ है।

* स्वतंत्र विदेश नीति हेतु:-

गुट निरपेक्ष राष्ट्र किसी भी गुट के दबाव के बिना स्वतंत्र विदेश नीति का संचालन करते हैं। यदि वे किसी गुट में शामिल होते तो गुट के दबाव में परतंत्र नीति का प्रतिपादन होता है।

* नवस्वतंत्रता स-

* नव स्वतंत्र राष्ट्रों को हित:-

वे राष्ट्र जो नवस्वतंत्र हुये हैं, वे गुट-निरपेक्षता के माध्यम से स्वतंत्रता कायम किये हुये हैं।



प्रश्न-19

उत्तर :- अशोक द्वारा बौद्ध धर्म के प्रचार के लिये किये गये कार्य-

1. बौद्ध धर्म को राजकीय संरक्षण एवं सहायता:-

अशोक ने बौद्ध धर्म को राज्य द्वारा संरक्षण दिया गया, तथा उसे भरपूर सहायता दी गई जिससे उसका पूर्ण प्रचार हो सके।

2. बौद्ध मठों, स्तूपों का निर्माण:-

अशोक ने सारनाथ, सांची का स्तूप एवं अनेक बौद्ध मठों का निर्माण करवाया, जिससे बौद्ध धर्म का प्रचार हो सका।

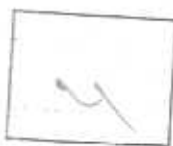
3. विदेशों में धर्म प्रचार:-

विदेशों में बौद्ध धर्म के प्रचार हेतु महत्व पूर्ण कदम उठाये। फलस्वरूप चीन, जापान, श्री लंका, भूटान, तिब्बत में बौद्ध धर्म का प्रचार हुआ।

4. बौद्ध शिक्षा, सम्मेलन का प्रचार:-

अशोक ने मठों में भिक्षुओं को परामर्श व्यवस्थाएँ दी जिससे

B
S
E
M
P



(15)



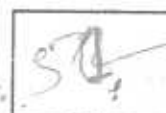
योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 15 के अंक

=



कुल अंक



शिक्षा का उच्चार हुआ। उसने बौद्ध सम्मेलन आयोजित कर धर्म उच्चार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रश्न-20

उत्तर:- सहायक संधि से आशय:-

ब्रिटिश गवर्नर

लॉर्ड वेलेजली द्वारा ब्रिटिश सत्ता के प्रसार हेतु सहायक संधि की युक्ति अपनाई। इससे युद्ध के बिना ही ब्रिटिश सरकार की सत्ता का काफी विकास हो सका। इसकी विशेषताएँ-

1. जो राज्य सहायक संधि करेगा, वह ब्रिटिश सरकार की अधीनता स्वीकार करेगा।

2. राज्य नरेश ब्रिटिश सत्ता के सन्तुष्टता से संबंध रखेंगे।

3. राज्य में ब्रिटिश सेना रुखी जायेगी, जिसका व्यय राज्य द्वारा ही किया जायेगा।

4. राज्य को एक ब्रिटिश रेजीडेंट रखना होगा।

5. कंपनी राज्यों की सुरक्षा की गारंटी देगी तथा आंतरिक मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगी।

उपरोक्त संधि की शर्तों के फलस्वरूप-



बिना किसी साम्राज्यवादी युद्ध के साम्राज्य बढ़ता गया। इसके कारण निम्न थे—

1. स. भारतीय राज्य युद्ध करने योग्य न थे, अँग्रेजों के सामक्ष वे क्षीण थे।

2. अँग्रेज इस संधि से राज्य की सुरक्षा का वचन देते थे।

सहायक संधि के माध्यम से निम्न लिखित राज्य ब्रिटिश सत्ता में शामिल किये गये—

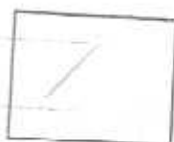
1. कनारक
2. तंजौर
3. मैसूर
4. ~~अ~~ सिंध

प्रश्न- 2021

उत्तर :- लॉर्ड विलियम बेंटिंक एक सुधारवादी ब्रिटिश गवर्नर के रूप में जाना जाता है।

वह पहला ब्रिटिश गवर्नर था जिसने भारत के सुधार कार्यक्रमों के प्रति दिव्यचस्पी व्यक्त की तथा विभिन्न सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, न्यायिक सुधार किया- किये। उसके आर्थिक

B
S
E
M
P



पृष्ठ के अंकों का योग

17

54

+

=

54

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 17 के अंक

कुल अंक



सुधार निम्न लिखित हैं:-

1. कंपनी की आय में वृद्धि:-

बैंकिंग ने विभिन्न अनुपयुक्त तथा अतिरिक्त खर्च को समाप्त कर दिया। उसने सेना के अतिरिक्त भत्ते में कटौती की तथा व्यर्थ के सरकारी पदों को समाप्त कर दिया। बंगाल के नवाब को जो वार्षिक पेंशन दी जाती थी, उसमें भी उसने कटौती की। जिससे कंपनी की आय में काफी वृद्धि हुई।

2. कृषि में सुधार:-

बैंकिंग ने लगान वसूली में काफी सुधार किया। उसने लगान वसूली अपने हाथों में ले ली, जिसके लिये समिति गठित की तथा स्थानीय बंदोबस्त प्रथा को समाप्त कर दिया।

3. व्यापार में सुधार:-

उसने कसकता में बड़ी व्यापारिक मंडी की स्थापना की तथा भारी-होरी मण्डियों को तुड़वा दिया। इससे कंपनी को तथा भारतीय व्यापारियों को लाभ हुआ। उसने अंग्रेज तथा भारतीय व्यापारियों पर समान कर लगाये।



(य) विदेशी व्यापार, अफीम व्यापार :-

उसने
कंपनी के विदेशी व्यापार को बढ़ावा दिया।
ची भूतान, तिब्बत, सुमात्रा आदि में व्यापार
विस्तार किया, तथा अफीम के व्यापार में
सुधार कर राजकीय आय में वृद्धि की।

आर्थिक सुधार

राजकीय आय में वृद्धि → किंग्स खर्च पर रोक

कृषि सुधार → किसानों को लाभ

व्यापार सुधार → अंग्रेज तथा भारतीय व्यापारियों
को समान लाभ

विदेशी व्यापार, अफीम व्यापार

मजबूत आर्थिक पक्ष

B
S
E
M
P



19



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 19 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न-22

उत्तर:- ब्रह्म समाज के सिद्धांत-

1. एकेश्वर

1. एकेश्वरवाद:-

ब्रह्म समाज ने एकेश्वरवाद के सिद्धांत को माना है, तथा द्वैतवाद का खंडन किया है। उसके अनुसार ईश्वर एक है, जो सृष्टि का पोषण करती है उसका कभी अवतार नहीं होता।

2. धर्मान्धता की जगह तर्क, विवेक:-

ब्रह्म समाज के सिद्धांतों में विवेक, तर्क-ज्ञान को प्रोत्साहन है। इससे अंधविश्वासों की समाप्ति तथा सच्चा ज्ञान प्राप्त होता है।

3. जाति, ऊँच-नीच एवं सामाजिक बुराईयों का खंडन:-

ब्रह्म समाज ने जातिवाद, अस्पृश्यता, ऊँचनीच, अशिक्षा, सति-प्रथा, बाल विवाह का खंडन किया है।

4. शिक्षा, नारि-शिक्षा व नारि-उत्थान:-

ब्रह्म समाज का महत्वपूर्ण सिद्धांत शिक्षा को प्रोत्साहन, नारि शिक्षा का समर्थन तथा नारि-उत्थान के सक्रिय करना है। इसके लिये उन्होंने शिक्षा का प्रचार किया तथा



विभिन्न सामाजिक बुराईयों का खंडन किया।

एकेश्वरवाद

तर्क-ज्ञान

धर्मा-धता का खंडन

धार्मिक सिद्धांत

जाति प्रथा का विरोध

ऊँच नीच का विरोध

सामाजिक बुराईयों का खंडन

नारि उत्थान

सामाजिक सु

सिद्धांत

वर्ष समाज के सिद्धांत

B
S
E
M
P

प्रश्न-23

उत्तर:- कोई भी आंदोलन जन आंदोलन तब होता है, जब वह जन-सामान्य तक व्याप्त हो, न कि सिर्फ बुद्धिजीवियों या नेताओं तक।

महात्मा गाँधी ने स्वतंत्रता आंदोलन को जन आंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण यत्न किये। जब चूंकि वे तथा कांग्रेस ही स्वतंत्रता आंदोलन चला रहे थे, पर आम जनता



पृष्ठ के अंकों का योग



को शामिल कर भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को जन आंदोलन बनाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई—

★ अहिंसा नीति से जनसामान्य का जुड़ाव:—

महत्मा गाँधी

की अहिंसा नीति जनसामान्य को लाभकारी तथा आकर्षक योग्य थी, जिससे स्वतंत्रता आंदोलन में सामान्य जनता भागीदार हो सकी।

★ महत्मा गाँधी का व्यक्तित्व:—

महत्मा गाँधी के व्यक्तित्व

से प्रभावित होकर स्वतंत्रता आंदोलन में सामान्य जनता में सहभागिता की भावना का विकास हुआ।

★ स्वतंत्रता आंदोलनों के साधन:—

उन्होंने आंदोलन को जन-जन

तक पहुँचाने हेतु चरखा, विदेशी बहिष्कार जैसे कार्यक्रम चलाये, जिससे आम जनता प्रोत्साहित हुई।

★ जनसामान्य का आह्वान:—

उन्होंने सभी वर्गों को साथ

लेकर आंदोलन संचालित किये। गरीब-अमीर, महिला-पुरुष, निम्न-उच्च सभी वर्गों का आह्वान कर जनआंदोलन बनाया।



प्रश्न-24

उत्तर:- दूरदर्शन का शिक्षा एवं संस्कृति पर प्रभाव-

★ लाभकारी प्रभाव:-

1. दूरदर्शन संचार का एक साधन है इसके माध्यम से सूचनाओं का प्रचार हुआ, जिससे शिक्षा एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव पड़े।

2. शिक्षा के क्षेत्र में दूरदर्शन ने विभिन्न देशों के जनेकारियों तथा कार्यक्रमों का प्रसारण कर शिक्षा पर लाभकारी प्रभाव डाले।

3. दूरदर्शन के माध्यम से विभिन्न देशों की संस्कृतियों का ज्ञान हो सका। विभिन्न सांस्कृतिक धरातलों दूर हुई तथा विभिन्न संस्कृतियों करीब आ सकी।

★ हानिकारक प्रभाव:-

1. सुविधावाद से नैतिक अध्ययन में कमी, साहित्य पढ़न-पाठन में आलस्य।

2. अपसंस्कृति का प्रदुर्भाव।

B
S
E
M
P



3. पूँजीवाद एवं ग़लत व्यापार को प्रोत्साहन

लाभकारी प्रभाव

हानिकारक प्रभाव

↓
सूचना प्रसार, शिक्षा का प्रसार,
संस्कृति ज्ञान, जन जागरूकता

↓
आलस्य, सुविधावाद,
अपसंस्कृति, शिथिलाचार

प्रश्न-25

उत्तर:- सन् 1857 की क्रांति की असफलता के कारण-

1. क्रांति का समय से पूर्व प्रारंभ होना:-

1857 की क्रांति समय (निर्धारित) से पूर्व भड़क उठी, जिससे उसकी सम्पूर्ण तैयारियाँ न हो सकी।

2. क्रांति का क्षेत्र सीमित:-

1857 की क्रांति मेरठ-मेरठ, कानपुर, झांसी, महाराष्ट्र, तक ही सीमित रही। सम्पूर्ण देश में इसका उचार न हो सका था, इस कारण क्रांति असफल रही।

3. कुशल नेतृत्व का अभाव:-

इस क्रांति का नेतृत्व बहादुर शाह जफर कर रहे थे। जो कि काफी वृद्ध हो चुके



थे। इस कारण उचित नेतृत्व न हो सका।

4. आर्थिक पक्ष कमजोर:-

क्रांति में बड़े-बड़े सेठ-व्यापारियों ने विशेष आर्थिक सहयोग न दिया जिससे अस्त्र-शस्त्र, सैन्य खर्च उगमगा गये।

5. क्रांति का एक साथ न होना:-

यह क्रांति विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न समय हुई। इस कारण उन स्थानीय क्रांतियों का दमन आसान था।

★ क्रांति का समय से पूर्व प्रारंभ
★ एक साथ क्रांति न होना → आसान दमन चक्र

★ क्रांति का क्षेत्र सीमित
★ कुशल नेतृत्व का अभाव → शक्ति क्षीणता

★ कमजोर आर्थिक पक्ष → सैन्य व्यय में कमी

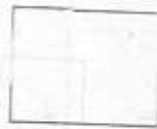
1857 की क्रांति की
असफलता के कारण

B
S
E
M
P

25



योग पूर्व पृष्ठ



पृष्ठ 17 के अंक



कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

Copy-1

केन्द्र की सील



पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगाएँ

2. परीक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक

3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

4. केन्द्र क्रमांक

5. परीक्षा का नाम

6. विषय कोड

110

History

7. माध्यम

हिन्दी

दिनांक 03/04/07

71

(कृपया यहाँ से लिखना प्रारम्भ करें)

प्रश्न-20

उत्तर:- ~~अ~~ आधुनिक भारत के सामाजिक जीवन की विशेषताएँ-
1. संयुक्त परिवारों का विघटन:-

आधुनिक भारत के सामाजिक जीवन में संयुक्त परिवारों का विघटन होता जा रहा है। अब लोग व्यक्तिगत परिवार में रह रहे हैं।

2. शिक्षा का प्रसार:-

आधुनिक समाज में शिक्षा का काफी प्रसार हुआ है। साक्षरता की दर काफी ऊँची हुई है।

3. सामाजिक संबंधों में शिथिलता:-

विभिन्न सामाजिक संबंधों में शिथिलता आ गई। रिश्ते-नातों में मधुरता समाप्त होती गई।



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 18 के अंक

=



कुल अंक



4. पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव:-

आधुनिक समाज में
पाश्चात्य संस्कृति का काफी प्रभाव पड़ रहा है।
यूरोपीयकरण काफी हो रहा है।

5. सुविधावाद, मनोरंजन, नारि-उत्थान:-

आधुनिक समाज में मनोरंजन के साधनों में वृद्धि हुई है। उद्योगों-मशीनों से सुविधावाद बढ़ा है। साथ ही नारि-उत्थान होता गया है।

B
S
E

प्रश्न-27

उत्तर:- मुसोलिनी की भूमध्यसागरीय नीति:-

1. भूमध्यसागरीय प्रदेशों में किले बंदी :-

मुसोलिनी ने रोडस द्वीप पर नौ-सेना अड्डे स्थापित किये तथा भूमध्य सागरीय क्षेत्र में किले बंदी की।

2. कोफ्यू की घटना:-

कोफ्यू यूनानी क्षेत्र था। वहाँ एक इरली के नागरिक की यूनानी ने हत्या कर दी फलस्वरूप उसने वहाँ भीषण गोलबारी की।

पृष्ठ के अंकों का योग



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 19 के अंक

=



कुल अंक



3. यूगोस्लाविया से संधि:-

मुसोलिनी ने पेन्डेलिरिया द्वीप पर नौसेना स्थापित कर फ्रान्स को यूगोस्लाविया से मिलकर बंट लिया।

4. अल्बानिया से टिराना की संधि:-

उसने अल्बानिया के स्वतंत्र राज्य की मान्यता दी, तथा टिराना की संधि कर उसे अपने ऊपर निर्भर बना लिया।

5. मौरवकों की राजिया नीति:-

उसने राजिया में स्थापित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में इटली का दावा प्रस्तुत कर भूमध्य सागरीय क्षेत्र में महत्वपूर्ण पकड़ बनाई।

प्रश्न-28

उत्तर:- हिटलर की विदेश नीति निम्नानुसार है, जो विश्व युद्ध का मुख्य कारण बनी-

1. वर्साय की संधि को रद्द करना:-

इसके फलस्वरूप मित्र राष्ट्र जर्मनी के खिलाफ हो गये।

2. सैन्य शक्ति का विस्तार:-

इससे लाना व शस्त्रों की होड़ बढ़ी।

B
S
E

5

पृष्ठ के अंकों का योग



81

योग पूर्व पृष्ठ

+

4

पृष्ठ 20 के अंक

=

85

कुल अंक



3. रोम, बर्लिन, टोकियो धुरी:-

उस संधि से इटली, जर्मनी व जापान परस्पर सहयोगी (धुरी राष्ट्र) तथा अन्य यूरोप-अफ्रीका शांत होना गया।

4. हिटलर का अधिनायकवाद:-

उसने यू.एस.एस.आर. का दमन चैकोस्लाविया, आस्ट्रिया पर आक्रमण किया। उसके अधिनायकवादी नीतियों ने विश्वयुद्ध को भड़काया।

5. पोलैंड पर आक्रमण:-

उसने साम्राज्य विस्तार से पोलैंड पर 1939 में आक्रमण किया जो द्वितीय विश्व युद्ध की तात्कालिक कारण बना।

B
S
E



पृष्ठ 20 के अंक का योग

2007
29

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 17 से अंक = कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्य प्रदेश, भोपाल

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

1. केन्द्र की शील

2. पर्यवेक्षक को हस्ताक्षर व दिनांक

3. केन्द्राध्यक्ष को हस्ताक्षर की शील

4. केन्द्र क्रमांक

5. परीक्षा का नाम

6. विषय कोड

विषय

7. माध्यम

दिनांक

05/11/85 (कृपया यहाँ से लिखना प्रारम्भ करें)

प्रश्न-29

उत्तर:- गुप्त काल भारत का स्वर्ण काल -

1. विदेशी आक्रमणों से सुरक्षित:-

गुप्त काल में अधिक विदेशी आक्रमण न हुये। फलस्वरूप सीमा सुरक्षा, आरक्षक न हुई।

2. आंतरिक शांति:-

इस काल में विद्रोह न हुए साथ ही आंतरिक भागों में प्रजा संतुष्ट बनी रही।

3. आर्थिक समृद्धि का काल:-

इसकाल में कृषि, व्यवसाय तथा व्यापार उन्नत था। जिससे भारत समृद्ध था।

B
S
E

पृष्ठ के अंकों का योग



4. कुशल सम्राटों का काल:-

इस काल में समुद्र गुप्त, चंद्रगुप्त विक्रमादित्य, स्कन्दगुप्त जैसे योग्य शासक थे।

5. लोककल्याणकारी राज्य:-

शासकों ने प्रजा के हित में सड़के, नहरें, मंदाकिनी का निर्माण किया। इस प्रकार यह लोककल्याणकारी राज्य था।

6. कला, साहित्य का उत्थान:-

इस काल में कालिदास, जैसे महाकवि, नृत्य संगीत का विकास, स्थापत्य कला की पराकाष्ठा हुई।

उपरोक्त तर्कों के आधार पर कहा जा सकता है, कि गुप्त काल प्राचीन कालीन भारतीय इतिहास का स्वर्णकाल था।

आंतरिक एवं बाह्य शांति

विदेशी आक्रमणों से सुरक्षा

आंतरिक विद्रोहों से सुरक्षा

आर्थिक सफाई → कला, साहित्य का विकास

स्वर्णकाल

B
S
E

5



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 19 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न-30

उत्तर:- मुसलमानों के उद्धार हेतु सर सैयद महमद खाँ के उपास-

1. सर सैयद महमद खाँ ने मुसलमानों का शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
2. शिक्षा प्रसार हेतु उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की स्थापना की।
3. मुसलमानों को शासन कार्य में भागीदार बनाने हेतु सरकार से अपील।
4. मुसलमानों को अंधविश्वासों, कड़िवाद से मुक्ति हेतु कार्य।
5. मुसलमानों के सामाजिक उत्थान हेतु जन जागरण के कदम उठाये।
6. इस्लाम की नये सिरे से व्याख्या की, जिससे तर्क, ज्ञान को प्रोत्साहन मिला।
7. राजनीति, शासन, आदि कार्यों में मुसलमानों को भागे किया।
8. उन्होंने ब्रिटिश सरकार से विभिन्न अनुसंधानों की निम्न फलस्वरूप मुसलमानों को सम्मान जनक स्थान मिल सका। उनकी आर्थिक सामाजिक, शैक्षणिक उन्नति हुई। वे समाज में इज्जतदार पद पा सके।

6

अर्थ का योग



96

योग पूर्व पृष्ठ

+

—

पृष्ठ 90 के अंक

=

96

कुल अंक



तथा उनकी व सर्वांगीण उन्नति हो सभी

शिक्षा का प्रसार



अंधविश्वासों से मुक्ति



जनचेतना



सामाजिक उत्थान

रूढ़िवाद, धर्माद्वेष का विरोध

इस्लाम की वैज्ञानिक व्याख्या



कुरान की विवेचना

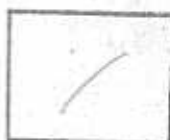


धार्मिक उत्थान

व

सामाजिक उत्थान

B
S
E



पृष्ठ के अंकों का योग

कुल अंक

ਪ੍ਰਸ਼ਨ ੩੫. ੧ ਪ੍ਰਥਮ

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

314

How

874216

8. परीक्षार्थी का रोल नम्बर (असोजी अंकों में)

--	--	--

						 2		6
--	--	--	--	--	---	---	---	---

दिनांक

96

प्रशासनिक, राजकीय कार्यों में सुसज्जमानों की वकालत

अँग्रेजों की नज़र में मुसलमानों की समसम्मानजनक स्थिति

↓

7

सर सौंद अहमद खां के
मुसलमान उद्धार के कार्य

B
S
E

ਸੁਣ ਕੇ ਅੱਖਾਂ ਭਰ ਗਈਆਂ

96

10

30

26

+

—

=

26



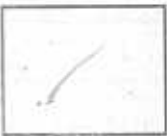
योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 20 के अंक

कुल अंक

B
S
E

26/100



पृष्ठ के अंकों का योग